PAPER-III FOLK LITERATURE

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature)	
(Name)	Roll No.
2. (Signature)	(In figures as per admission card)
(Name)	
	Roll No
D 7 1 1 1	(In words)

Time : $2^{1}/_{2}$ hours] [Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet: 32

Instructions for the Candidates

- 1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- 3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below:
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
- 4. Read instructions given inside carefully.
- 5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- 6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
- 7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- 8. Use only Blue/Black Ball point pen.
- 9. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।

Number of Ouestions in this Booklet: 19

- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
 इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
- 3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्निलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है .
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
- 4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मृल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- 5. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाईट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

D-71-11 P.T.O.

FOLK LITERATURE लोक साहित्य

PAPER – III प्रश्नपत्र – III

Note: This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खण्ड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

SECTION – I खण्ड – I

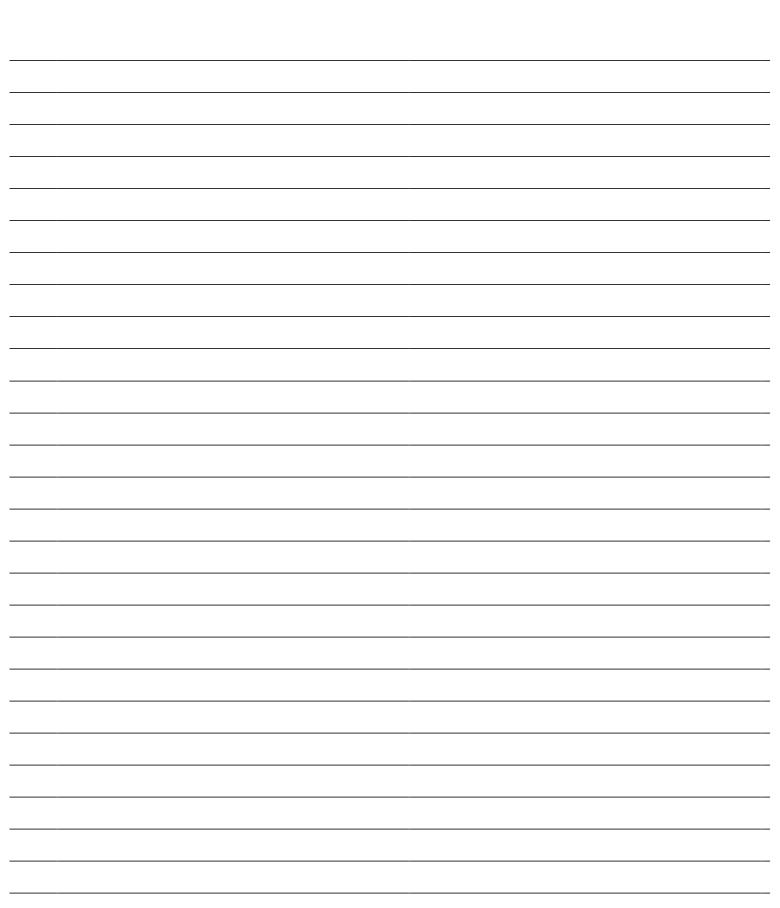
Note: This section consists of **two** essay type questions of **twenty** (20) marks each, to be answered in about **five hundred** (500) words each. $(2 \times 20 = 40 \text{ Marks})$

नोट : इस खण्ड में बीस-बीस अंकों के दो निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग पाँच सौ (500) शब्दों में अपेक्षित है । $(2 \times 20 = 40 \text{ sia})$

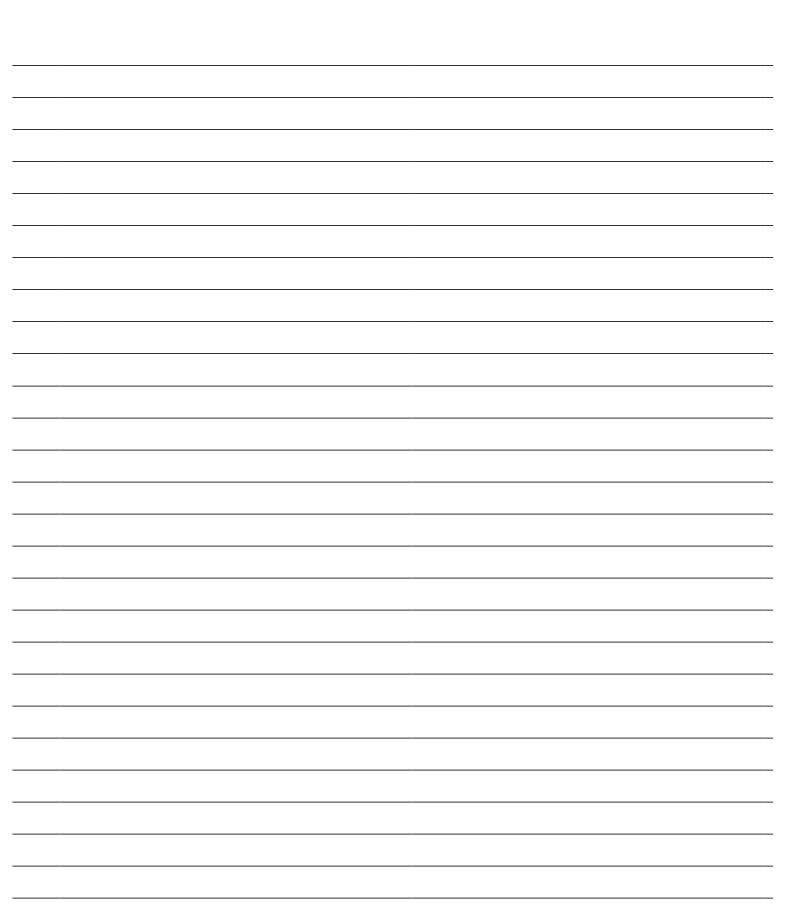
1. Write an essay on the nature and characteristics of Folklore. लोकवार्ता की प्रकृति तथा अभिलक्षणों पर एक निबंध लिखिए ।

OR / अथवा

Discuss the relevance of psycho-analytical theory in the study of Folklore. लोकवार्ता के अध्ययन में मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत की प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए ।



2.	Write an essay on preparations for field work and research design. क्षेत्र-कार्य तथा शोध-अभिकल्प के लिए तैयारी पर एक निबंध लिखिए । OR / अथवा Discuss the contributions of Max Muller in the field of Folkloristics. लोकवार्ता विज्ञान के क्षेत्र में मैक्स मूलर के योगदान की चर्चा कीजिए ।



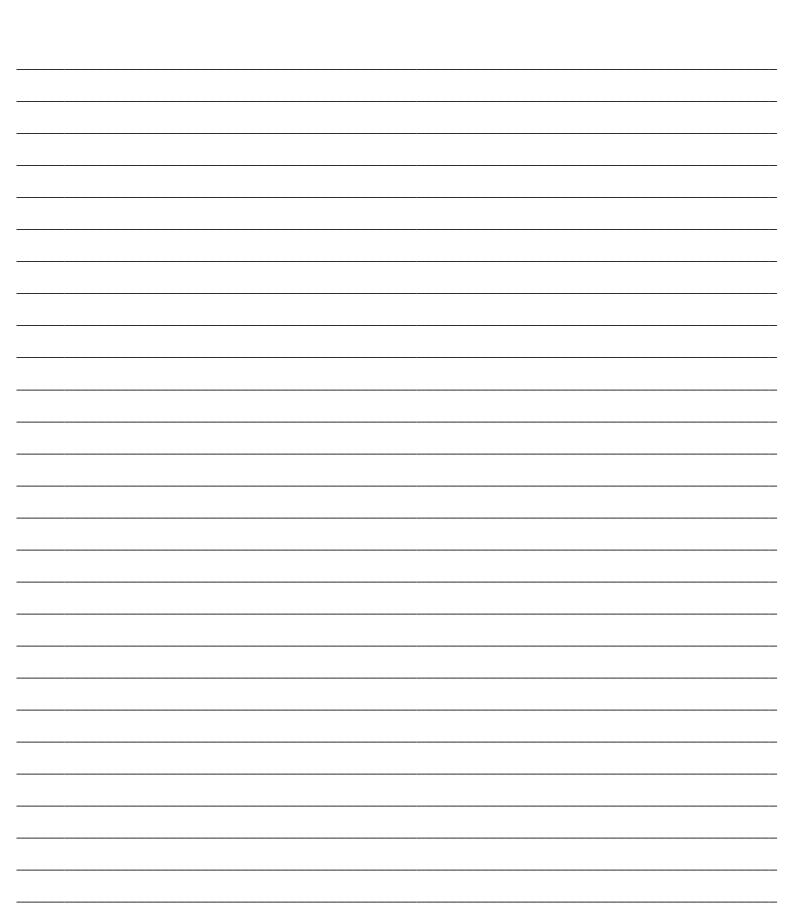
SECTION - II

खण्ड – II

Note: This section contains three (3) questions. Each questions carries 15 marks and is to be answered in about three hundred (300) words. $(3 \times 15 = 45 \text{ Marks})$

नोट: इस खण्ड में **पंद्रह-पंद्रह** (15) अंकों के **तीन** (3) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । (3 × 15 = 45 अंक)

- 3. Critically analyse the role and significance of Information Technology in Folk media. लोक माध्यम में सूचना प्रौद्योगिको को भूमिका तथा महत्त्व का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए ।
- 4. Evaluate application of Folklore in the process of elections. चुनावों की प्रक्रिया में लोकवार्ता के प्रयोग का मूल्यांकन कीजिए ।
- 5. Evaluate the status of Folklore study in your own State. अपने राज्य की लोकवार्ता अध्ययन की स्थित का मृल्यांकन कीजिए ।









	SECTION – III
	खण्ड – III
Note:	This section contains nine (9) questions of ten (10) marks each, each to be answered in about fifty (50) words. $(9 \times 10 = 90 \text{ Marks})$
नोट :	इस खण्ड में दस-दस (10) अंकों के नौ (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास (50) शब्दों में अपेक्षित है । (9 × 10 = 90 अंक)
6.	What is Folklore?
	लोकवार्ता क्या है ?
	्राकवाता क्या ह ?
	लाकवाता क्या ह ?
	लाकवाता क्या ह ?
	लाकवाता क्या ह ?
	लाकवाता क्या ह ?
	लाकवाता क्या ह ?

7.	Explain the concept of Oicotype. 'आइकोटाइप' की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।
	जार्यमधार्य यम जायपारमा यम ज्याख्या यमागर् ।
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	

8.	Explain structured interview method. संरचित साक्षात्कार पद्धति की व्याख्या कीजिए ।

9.	Write the classification of Ballad. गाथा के वर्गीकरणों के बारे में लिखिए ।
10.	What is Folktheatre ? लोक-नाटक क्या है ?

11. What is Myth ? मिथक क्या है ?		

1	12.	'Wisdom of many, wit of one.' Explain. 'अनेकों की समझदारी, एक का वाग्वैदग्ध्य' – व्याख्या कीजिए ।

13.	Significance of 'refrain' in Ballad. Discuss. 'गाथा' में 'टेक' के महत्त्व को विवेचित कीजिए ।

14.	Write a short account on one of the Folkart forms of your region. अपने क्षेत्र के किसी एक लोककला रूप का संक्षिप्त विवरण दीजिए ।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note: This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

 $(5 \times 5 = 25 \text{ Marks})$

नोट : इस खण्ड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है । (5 × 5 = 25 अंक)

Folkloristics, we believe, is inherently a comparative subject and folklore is thus not the property of a particular people, but of all humanity. The aim of a comparative study of anything human is to try to understand what of it is variable and what is constant. What is constant is presumably that which is characteristic of human nature. Variability comes from the human potential for creativity. These factors, and time, are the ingredients of what we know as 'traditions'. As members of a particular culture, without exposure to other cultures, it is not possible to understand what is variable and what is constant, what is a part of our own culture's specific creative potential and that which is part of human nature. No matter how varied (as is Indian culture) or how monolithic (as is American culture), exposure to only one culture's traditions can only lead to a confusion about what is part of human nature and what is a product of individual creativity. By looking at other cultures, one is able to glimpse not only what may truly be a part of human nature, but also the power of our culture's traditions to shape our personal lives and practices, which we tend to think of as "only natural". The comparative study of folklore raises folkloristics to the level of a philosophy of human nature.

हम ऐसा मानते हैं कि लोकवार्ता विज्ञान स्वाभावत: एक तुलनात्मक विषय है और इसलिए लोकवार्ता कुछ विशेष लोगों की नहीं बल्कि पूरी मानवता की सम्पत्ति है । मानव-सापेक्ष किसी विषय के तुलनात्मक अध्ययन का लक्ष्य यह समझने का प्रयास करना है कि इसमें क्या परिवर्तनशील है तथा क्या स्थायी है । इसमें जो स्थायी है, वह संभवत: मानव-प्रकृति का अभिलक्षण है । परिवर्तनशीलता मानव की सर्जनात्मक क्षमताओं से आती है । जिसे हम 'परम्परा' समझते हैं, ये तत्त्व तथा काल उसके संघटक हैं । अन्य संस्कृतियों से अभिज्ञता के अभाव में किसी एक संस्कृति विशेष के सदस्य के रूप में यह समझना संभव नहीं कि क्या परिवर्तनशील है तथा क्या स्थायी है, हमारी अपनी संस्कृति की विशिष्ट सर्जनात्मक क्षमताओं का अंश क्या है तथा मानव प्रकृति का अंश क्या है । यह कितना भी वैविध्यपूर्ण (जैसा कि भारतीय संस्कृति में है) तथा कितना भी एकरूपीय (जैसा कि अमेरिकी संस्कृति में है) क्यों न हो, केवल किसी एक संस्कृति से अभिज्ञता इस संबंध में भ्रम उत्पन्न करती है कि मानव प्रकृति का अंश क्या है तथा वैयक्तिक सर्जनात्मकता का प्रतिफल क्या है । अन्य संस्कृतियों को ध्यान में रखने से व्यक्ति को न केवल इसकी झलक मिलती है कि मानव प्रकृति का अंश वास्तविक रूप में क्या है बिल्क इसकी झलक भी मिलती है कि हमारे व्यक्तिगत जीवन तथा व्यवहारों को गढ़ने में हमारी सांस्कृतिक परम्परा की शक्ति क्या है, जिसे हम "केवल प्राकृतिक" के रूप में देखते हैं । लोकवार्ता का तुलनात्मक अध्ययन लोकवार्ता विज्ञान को मानव प्रकृति के दर्शन के स्तर तक ऊपर उठाता है ।

15.	Folkloristics is inherently a comparative subject – indicate. लोकवार्ता विज्ञान स्वभावत: एक तुलनात्मक विषय है । स्पष्ट कीजिए ।
16.	Explain whether folklore belongs to all humanity. व्याख्या करते हुए बतलाइये कि क्या लोकवार्ता पूरी मानवता की सम्पत्ति है ।

17.	'Comparative Study of Folklore raises folkloristics to the level of Philosophy.' – Analyse. 'लोकवार्ता का तुलनात्मक अध्ययन लोकवार्ता विज्ञान को दर्शन के स्तर तक ऊपर उठाता है ।' – विश्लेषण कीजिए ।
18.	'By looking at one's own culture one may not be able to assess the individual creativity.' – Discuss. 'केवल अपनी संस्कृति को ध्यान में रखकर कोई व्यक्ति वैयक्तिक सर्जनात्मकता का मूल्यांकन नहीं कर सकता ।' – चर्चा कीजिए ।

19.	What is the main aim of Comparative Study of Folklore?
	लोकवार्ता के तुलनात्मक अध्ययन का प्रमुख लक्ष्य क्या है ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY				
Marks Obtained				
Question	Marks			
Number	Obtained			
1				
2				
3				
4				
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				

Total Marks Obtained (in words)				
(in fi	gures)			
Signature & Name of the Co	oordinator			
(Evaluation)	Date			